



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 22]  
No. 22]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 7, 2005/पौष 17, 1926  
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 7, 2005/PAUSA 17, 1926

संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 2005

**का.आ. 32(अ).**—केन्द्रीय सरकार ने, भारत का राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii), दिनांक 9 दिसम्बर, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण) की 9 दिसम्बर, 2003 की अधिसूचना सं. का.आ. 1398(अ) द्वारा उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रतिलिपि उक्त संस्मारक के निकट सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी; क्योंकि प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (1) में यह अपेक्षा की गई है;

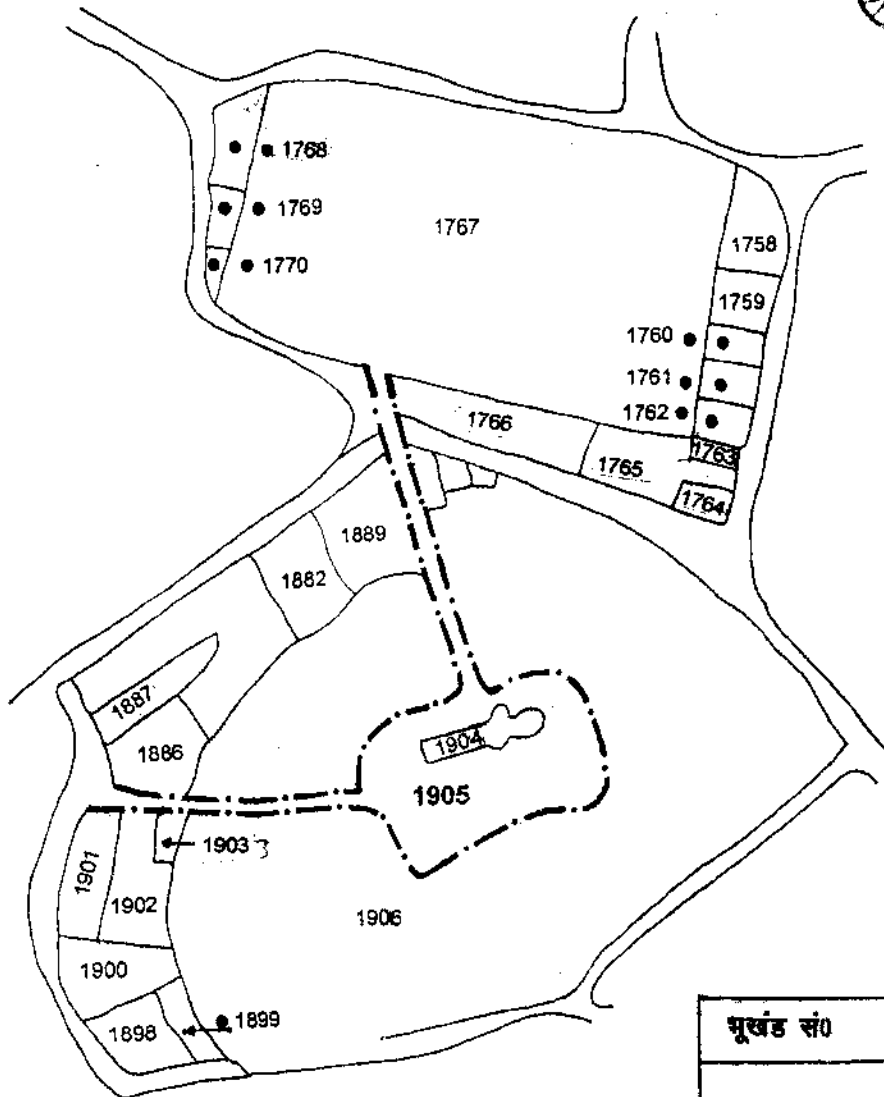
और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां 26 फरवरी, 2004 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और ऐसी घोषणा किए जाने के प्रति केन्द्रीय सरकार को जनता से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अब केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा इसके साथ संलग्न उक्त स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

**स्थल मानचित्र**  
**हयग्रीव माधव मंदिर हाजो, जिला कामरुप, असम**

0 100  
मीटर



भूखंड सं०	एकड़
1905	2.04 एकड़
1904	0.12 एकड़
	<hr/> 2.16 एकड़

संरक्षण के लिए प्रस्तावित क्षेत्र : — . — . — . — .

## अनुसूची

राज्य	जिला	स्थान	स्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन शामिल की जाने वाली राजस्व भूखंड संख्या	क्षेत्रफल	सीमाएं	स्वामित्व	अभियुक्तियां
1	2	3	4	5	6	7	8	9
असम	कामरूप	निज हाजो पोस्ट हाजो राजस्व मंडल हाजो	श्री श्री हयग्रीव माधव मंदिर के नाम से प्रसिद्ध निज हाजो स्थित प्राचीन अवशेष	सर्वेक्षण भूखण्ड सं. 1904 तथा 1905	0.12 एकड़ = 4.82 आर 2.04 एकड़ = 82.69 आर	सर्वेक्षण भूखण्ड सं. 1904 एवं 1905 जो सर्वेक्षण भूखण्ड सं. 1906, 1898, 1900, 1901, 1902, 1886, 1887, 1882 एवं 1889 से घिरी हुई हैं।	डोलोई श्री श्री हयग्रीव माधव देवालय (मंदिर) के सर्वेक्षण भूखंड देवालय नाम सं. 1904, 1905 तथा शैली की और शेष प्राइवेट	इस मंदिर का प्रबंधन श्री श्री हयग्रीव माधव प्रबंधन समिति द्वारा किया जा रहा है जिसके प्रधान डोलोई (अध्यक्ष) श्री गोलोक चंद शर्मा हैं।

[ फा. सं. 2-4/98-एम ]

सी. बाबू राजीव, महानिदेशक और अपर सचिव

## DEPARTMENT OF CULTURE

(ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 7th January, 2005

**S.O. 32(E).**—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) number S.O. 1398(E) dated the 9th December, 2003 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 9th December, 2003, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule hereto annexed to the said notification to be of national importance and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument; as required by Sub-section (i) of Section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958);

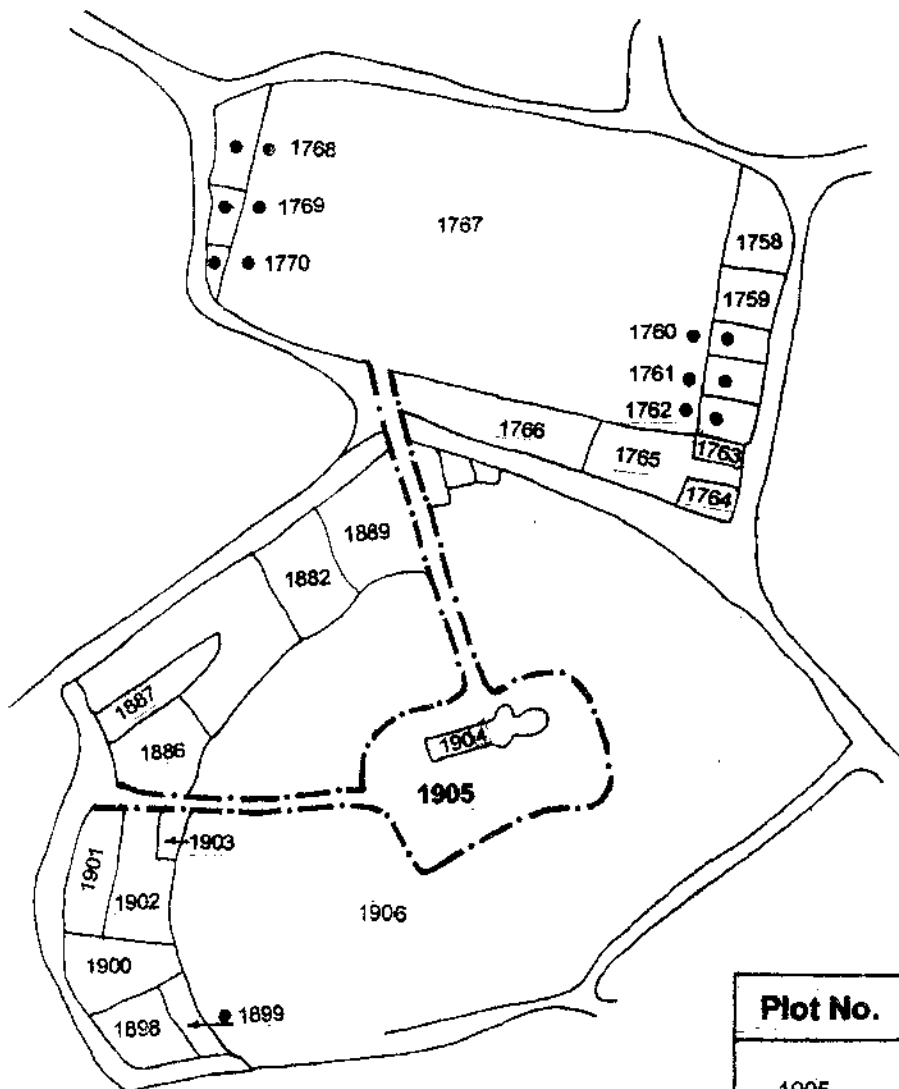
And whereas, the copies of the said Gazette Notification was made available to the public on the 26th February, 2004;

And whereas, no objections have been received from the public to the making of such declaration by the Central Government;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of Section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule annexed hereto, to be of national importance.

**SITE PLAN  
OF  
HAYAGRIVA MADHAVA TEMPLE AT HAZO  
DISTRICT KAMRUP, ASSAM**

0 100  
METRES



Plot No.	Acre
1905	2.04 Acre
1904	0.12 Acre
	<hr/> 2.16 Acre

**AREA PROPOSED FOR PROTECTION:** . . . . .

## SCHEDULE

State	District	Locality	Name of the Monu- ment	Revenue Plot No included under protection	Areas	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Assam	Kamrup	Niz Hazo P.O. Hajo Rev. Circle Hajo	Ancient Re- mains At Niz Hajo known as Sri Sri Hayagriv Madhab Temple	Survey Plot No. 1904 and 1905	0.12 Acre = (4.82 R) 2.04 Acre = (82.69 R)	Survey Plot No. 1904 and 1905 bounded by survey Plot No. 1906, 1898, 1900, 1901, 1902, 1886, 1887, 1882 and 1889	Survey Plot No. 1904, 1905 belongs to Doloi, Sri Sri Hayagriv Madhab Devalaya (Temple) and rest private.	The Temple is being managed by the Management Committee by name and style Sri Sri Hayagriv Madhab Devalaya, headed by the Doloi (President) Sri Golok Ch. Sarma.

[F. No. 2-4/98-M.]

C. BABU RAJEEV, Director General and Addl. Secy.